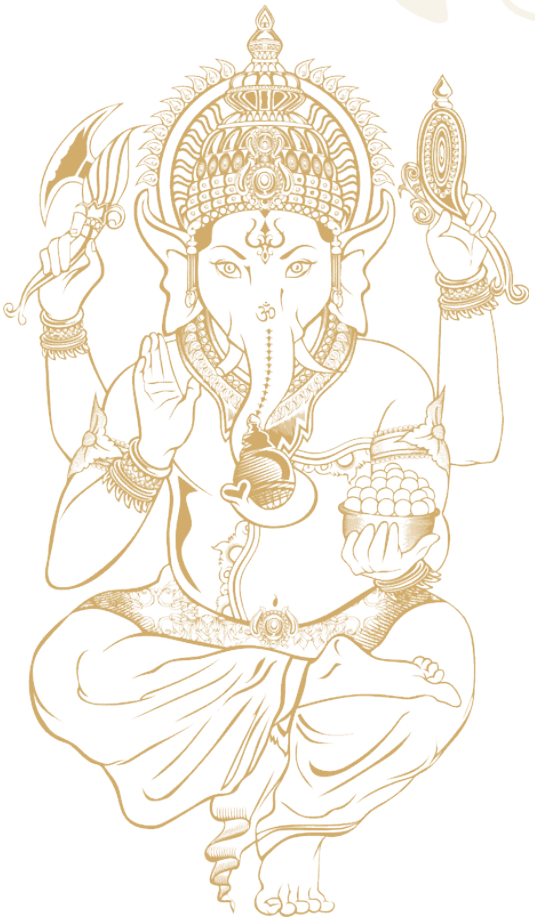

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121262303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12-13/08/1996	जन्म तिथि	31-01/02/2002
सोम-मंगलवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 03:08:00	जन्म समय	05:55:00 घंटे
घटी 53:26:37	जन्म समय(घटी)	56:39:59 घटी
India	देश	India
Seoni	स्थान	Seoni
31:14:00 उत्तर	अक्षांश	31:14:00 उत्तर
77:06:00 पूर्व	रेखांश	77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:21	सूर्योदय	07:15:00
19:07:15	सूर्यास्त	17:55:23
23:48:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:55

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 7वर्ष 9मा 13दि	22:31:22	मिथु	लग्न	धनु	24:40:40	सूर्य 4वर्ष 0मा 22दि
केतु	26:37:07	कर्क	सूर्य	मक	18:04:32	राहु
27/05/2021	11:12:08	कर्क	चंद्र	कन्या	00:58:34	23/02/2023
27/05/2028	18:15:11	मिथु	मंगल	मीन	15:36:30	23/02/2041
केतु 23/10/2021	22:29:15	सिंह	बुध व	मक	08:44:53	राहु 05/11/2025
शुक्र 23/12/2022	14:44:34	धनु व	गुरु व	मिथु	13:04:12	गुरु 31/03/2028
सूर्य 30/04/2023	11:06:07	मिथु	शुक्र	मक	22:16:36	शनि 05/02/2031
चन्द्र 29/11/2023	13:04:13	मीन व	शनि व	वृष	14:11:47	बुध 24/08/2033
मंगल 26/04/2024	15:15:01	कन्या व	राहु व	मिथु	02:16:49	केतु 12/09/2034
राहु 15/05/2025	15:15:01	मीन व	केतु व	धनु	02:16:49	शुक्र 12/09/2037
गुरु 21/04/2026	08:04:04	मक व	हर्ष	कुंभ	00:12:24	सूर्य 06/08/2038
शनि 31/05/2027	01:53:57	मक व	नेप	मक	14:42:36	चन्द्र 05/02/2040
बुध 27/05/2028	06:31:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	23:07:18	मंगल 23/02/2041

लग्न-चलित

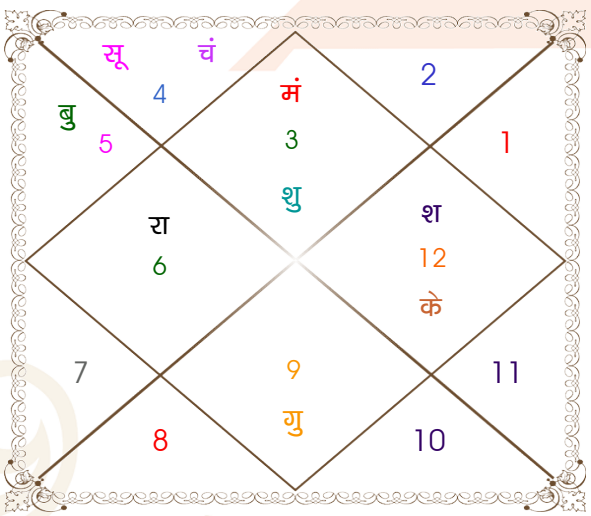

लग्न-चलित

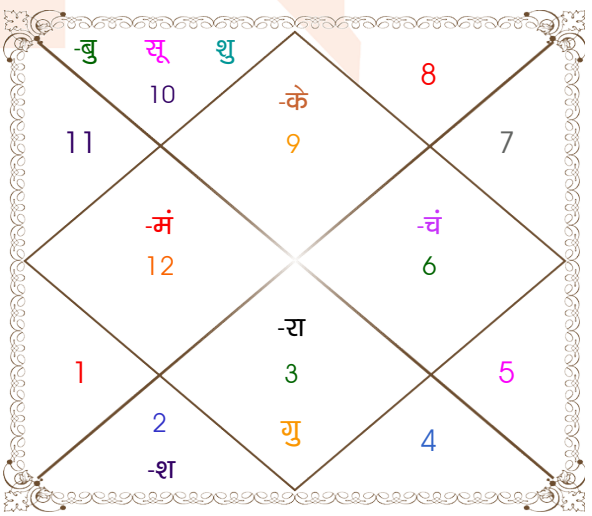

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।